

## राष्ट्रपति ने मध्य प्रदेश को दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों से कथिा सम्मानति

### चर्चा में क्यों?

30 सतिंबर, 2022 को राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमु ने नई दल्लि के वज्जान भवन में 68वें राष्ट्रीय फलिम पुरस्कार समारोह में मध्य प्रदेश को 2 राष्ट्रीय फलिम पुरस्कारों से सम्मानति कथिा ।

### प्रमुख बदि

- मध्य प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री ऊषा ठाकुर ने 'मोस्ट फलिम फरेंडली स्टेट' और प्रमुख सचवि पर्यटन एवं संस्कृति शवि शेखर शुक्ला ने नॉन फीचर फलिम में बेस्ट एथनोग्राफिक फलिम श्रेणी में 'मांदल के बोल' के लथि रजत कमल पुरस्कार और प्रमाण-पत्र प्रापुत कथिा । साथ ही, फलिम 'मांदल के बोल' के नरिदेशक राजेंद्र जांगले को भी रजत कमल पुरस्कार से सम्मानति कथिा गया ।
- 'मांदल के बोल' को नॉन फीचर फलिम में बेस्ट एथनोग्राफिक फलिम श्रेणी में राष्ट्रीय फलिम पुरस्कार मलिा है । यह फलिम मध्य प्रदेश में बैगा जनजाति के जीवन और ग्रामीण परविश को प्रदर्शति करती है । मध्य प्रदेश टराइबल म्यूजियम द्वारा नरिमति और राजेंद्र जांगले द्वारा नरिदेशति 27 मनिट की फलिम में कमेंटरी और संगीत है । फलिम के दृश्यों के साथ सुमधुर संगीत फलिम को बहुत खास बनाता है ।
- उल्लेखनीय है कि केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 22 जुलाई, 2022 को राष्ट्रीय फलिम पुरस्कारों की घोषणा की थी ।
- प्रमुख सचवि शवि शेखर शुक्ला ने कहा कि प्रदेश की फलिम नीति में फलिमकारों को अनुदान, लोक सेवा गारंटी में समय-सीमा में अनुमति प्रदाय, सगिल वडिो ससि्टम आदि आकर्षक पहलुओं को शामिल कथिा गया है । मध्य प्रदेश अपने नैसर्गकि सौंदर्य और आकर्षक लोकेशन से फलिमकारों को अनायास ही अपनी ओर आकर्षति करता है ।
- मोस्ट फलिम फरेंडली स्टेट अवॉर्ड पाने वाले मध्य प्रदेश में अब तक 350 से ज़यादा फलिम, सीरयिल, वेब सीरीज़ सहति अन्य परयिोजनाओं की शूटगि हो चुकी है । वर्तमान में 7 फलिम प्रोजेक्ट पचि, तविारी, चंदेरी हैंडलूम द वोवेन मोटफिस, महल, द मास्टर स्क्वॉड, करतम भुगतम, पराक्रम की शूटगि चल रही है ।
- गौरतलब है कि मध्य प्रदेश, देश का एकमात्र राज्य है, जसिने परयिोजनाओं की अनुमति को लोक सेवा गारंटी अधनियिम में शामिल कथिा है । अधनियिम में 15 कामकाजी दविसों में फलिम शूटगि की अनुमति का प्रावधान है । साथ ही यह पहला ऐसा राज्य है, जसिने फलिम नीति में दथि जाने वाले अनुदान में वेब सीरीज़, ओटीटी ओरजिनल कंटेंट, टीवी सीरयिल एवं डॉक्यूमेंटरी को शामिल कथिा है ।
- प्रदेश में सभी फलिमांकन अनुमतथियों के लथि सगिल वडिो क्लीयरेंस की सुवधि उपलब्ध है । फलिम पर्यटन नीति को ज़लिा स्तर पर करथिान्वति करने के लथि प्रत्येक ज़लि में एडीएम स्तर के अधिकारी को फलिमांकन अनुमति हेतु नोडल अधिकारी नथिुकुत कथिा गया है ।
- मध्य प्रदेश को थिएटर हब कहा जाता है । यहाँ वरषिठ और कनषिठ, दोनों ही कलाकारों की उपलब्धता है । फलिम नीति के अंतर्गत राज्य के स्थानीय कलाकारों के लथि अतिरिक्त वतितीय अनुदान सहति फलिम क्रू का पर्यटन वभिाग के होटल एवं रसिॉर्ट में ठहरने पर छूट का प्रावधान है । साथ ही, राज्य में फलिम उद्योग के वकिास के लथि फलिम सटिी, फलिम स्टूडथिो, कौशल वकिास केंद्र आदि स्थापति करने, नजिी नविश को प्रोत्साहन एवं आरक्षति भूमा इत्यादि का प्रावधान है ।